

- विकास की उस प्रक्रिया को क्या कहा जाता है, जिसमें आर्थिक गतिविधियाँ नियोजित ढंग से सरकार के मार्गदर्शन में चलाई जाती हैं? - **आर्थिक नियोजन**
- सोवियत संघ (रूस) ने पहली बार नियोजन का विचार सामने रखा। उसने इसे पहली बार कब अपनाया? - **1928 में**
- भारत में आर्थिक नियोजन प्रणाली अपनाये जाने का श्रेय प्रसिद्ध अभियंता **सर विश्वेस्वरैया** को दिया जाता है। उन्होंने 1934 में प्रकाशित अपनी किस्स पुस्तक में भारत के सुनियोजित विकास के लिए एक 10 वर्षीय योजना प्रस्तुत की थी? - **भारत के लिए नियोजित अर्थव्यवस्था (Planned Economy for India)**
- पी.डी. टाकुर, जॉन मधारी, जे.आर.डी. टाटा, जी.डी. बिड़ला, सर आर्देशिर दलाल, श्रीराम, कस्तूरिलाल भाई, ए.डी.श्राफ जैसे बॉम्बे के 8 उद्योगपतियों ने जनवरी 1944 में 15 वर्ष के लिए किस योजना का प्रतिपादन किया? - **बॉम्बे योजना (Bombay Plan)**
- अप्रैल 1944 में भारतीय श्रम संघ के संस्थापक एम.एन. राय ने **जन योजना (People Plan)** बनायी। इसकी अवधि क्या थी? - **10 वर्ष**
- जून 1945 में 10 वर्षों की अवधि के लिए सहकारिता के मूल सिद्धांत-हम सबके लिए तथा सब हमारे लिए की अवधारणा पर गांधीवादी योजना का प्रतिपादन किसने किया? - **श्रीमन्नारायण**
- सुभाष चंद्र बोस की पहल पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने किसकी अध्यक्षता में 1938-39 में राष्ट्रीय नियोजन समिति (National Planning Committee) का गठन किया? - **पं. जवाहरलाल नेहरू**
- गांधीजी के सर्वोदय सिद्धांत के तहत 30 जनवरी, 1950 को किसने सर्वोदय योजना का प्रतिपादन किया? - **जयप्रकाश नारायण**
- सरकार ने किस योजना में निहित सिद्धांतों को तो स्वीकार किया, किन्तु योजना को सम्पूर्ण रूप में स्वीकार नहीं किया? - **सर्वोदय योजना**
- 1 अप्रैल, 1951 से 31 मार्च, 1956 की अवधि के लिए दक्षिण एवं दक्षिण पूर्वी एशिया के देशों के आर्थिक विकास के उद्देश्य से कोलम्बो में हुए राष्ट्रमंडल सम्मेलन में कौन-सी योजना तैयार की गई? - **कोलम्बो योजना**
- सितंबर 1946 में किसकी अध्यक्षता में गठित सलाहकार नियोजन बोर्ड ने देश में एक स्वतंत्र योजना आयोग एवं सलाहकार समिति की स्थापना की सिफारिश की? - **के.सी. नियोगी**
- आजादी के बाद 15 मार्च, 1950 को योजना आयोग का गठन किया गया। यह एक संवैधानिक निकाय है या परामर्शदात्री संस्था? - **परामर्शदात्री संस्था**
- योजना आयोग के पहले अध्यक्ष प्रधानमंत्री होते थे। फलतः योजना आयोग के प्रथम अध्यक्ष पं. नेहरू थे। इसके पहले उपाध्यक्ष कौन थे? - **गुलजारी लाल नन्दा**
- योजना आयोग के अनुषंगी के रूप में राष्ट्रीय विकास परिषद की स्थापना कब की गई? - **वर्ष 1952 में**
- राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (NIC), जिसकी शाखाएं देश के सभी जिलों में कार्यरत हैं, किसका एक महत्वपूर्ण अंग रहा? - **योजना आयोग का**
- योजना संबंधी मामलों में केंद्र और राज्यों के मध्य समायोजन स्थापित करने के लिए योजना आयोग के अतिरिक्त 6 अगस्त, 1952 को किस संस्था की स्थापना की गई? - **राष्ट्रीय विकास परिषद (NDC)**

आर्थिक नियोजन

आर्थिक आयोजन (Economic Planning) का आशय उस विधि या प्रणाली से है, जिसके अंतर्गत किसी अर्थव्यवस्था का संतुलन स्वतंत्र रूप से बाजार या कौमत् तंत्र के आधार पर न होकर सरकार अथवा सरा प्राप्त केंद्रीय आयोजन अधिकारी द्वारा निर्धारित सामाजिक उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रभावपूर्ण ढंग से योजनानुसार होता है।

निचले स्तर से नियोजन

निचले स्तर से नियोजन (Planning From Below) का आशय ऐसे नियोजन से है, जिसमें नियोजन की प्रक्रिया निचले स्तर से शुरू की जाती है। इसका उद्देश्य समाज के निर्धन एवं पिछड़े वर्गों को योजना से सर्वाधिक लाभान्वित करना होता है। यह सामाजिक न्याय की अवधारणा पर आधारित है।

अल्पकालीन नियोजन

अल्पकालीन नियोजन (Short Term Planning) कुछ ऐसी प्रमुख समस्याओं के लिए होता है जो वृहत् स्तर पर आर्थिक एवं सामाजिक परिवर्तन की अपेक्षा नहीं करते हैं। अल्पकालीन नियोजन का प्रयोग उत्पादन बढ़ाने, रोजगार अवसरों का सृजन करने, बाजार में मांग एवं पूर्ति के साथ उत्पादन स्तर समायोजन करने और दीर्घकालीन लक्ष्यों को प्राप्त करने में किया जाता है। इसको वार्षिक नियोजन (Annual Planning) भी कहा जाता है।

दृष्टि नियोजन

'दृष्टि नियोजन' (Perspective Planning) को दीर्घकालीन नियोजन भी कहा जाता है। इस प्रकार के नियोजन में अर्थव्यवस्था के सामाजिक, आर्थिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सामाजिक, संस्थागत तथा

आर्थिक नियोजन

- प्रशासनिक सुधार आयोग की अनुशंसा पर एनडीसी का पुनर्गठन कब किया गया तथा इसके कार्यों को भी परिभाषित किया गया? - अक्टूबर 1967 में
- राष्ट्रीय विकास परिषद में नीति आयोग के सभी सदस्य, सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री/ उपराज्यपाल, केंद्र सरकार के प्रमुख मंत्रालयों के मंत्री तथा कुछ आर्थिक विशेष सदस्य के रूप में सम्मिलित होते हैं। इस परिषद का पदेन अध्यक्ष कौन होता है? - प्रधानमंत्री
- राष्ट्रीय विकास परिषद की कार्यवाही योजना आयोग के सचिवालय द्वारा तैयार की जाती थी। राष्ट्रीय विकास परिषद का सचिव कौन होता था? - योजना आयोग का सचिव
- भारत सरकार ने 1 जनवरी, 2015 को 65 वर्ष पुरानी संस्था योजना आयोग के स्थान पर किस आयोग की स्थापना की गई? - नीति आयोग (NITI: National Institution for Transforming India)
- नीति आयोग में एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष तथा एक मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) होगा। उपाध्यक्ष की नियुक्ति आयोग का अध्यक्ष करेगा। इस आयोग का अध्यक्ष कौन होगा? - भारत के प्रधानमंत्री
- नीति आयोग में एक शापी परिषद (Governing Council) होगी जो राज्यों की भागीदारी के साथ राष्ट्रीय विकास की प्राथमिकताएं तैयार करेगी। इस परिषद का सदस्य कौन होगा? - राज्यों के मुख्यमंत्री और केंद्रशासित प्रदेशों के उपराज्यपाल
- भारत के प्रधानमंत्री के निर्देश पर नीति आयोग क्षेत्रीय परिषदों की बैठक आयोजित करेगा, जिनमें संबंधित क्षेत्र के राज्यों के मुख्यमंत्री और केंद्रशासित प्रदेशों के उपराज्यपाल शामिल होंगे। इन बैठकों की अध्यक्षता कौन करेगा? - उपाध्यक्ष, नीति आयोग
- नीति आयोग के अध्यक्ष नरेन्द्र मोदी ने 5 जनवरी, 2015 को किस प्रख्यात अर्थशास्त्री को नीति आयोग का प्रथम उपाध्यक्ष नियुक्त किया? - अरविंद पनगढ़िया
- 1 अप्रैल, 1951 से भारत में पंचवर्षीय योजना की शुरुआत शुरू होती है। भारत में प्रथम पंचवर्षीय योजना की अवधि 1 अप्रैल, 1951 से 31 मार्च, 1956 तक थी। इस योजना में किस क्षेत्र को प्राथमिकता दी गई थी? - कृषि क्षेत्र को
- प्रथम पंचवर्षीय योजना का निर्माण किस आर्थिक मॉडल के आधार पर किया गया था? - हैरोड-डोमर मॉडल
- पहली पंचवर्षीय योजना एकमात्र योजना है, जिसकी अवधि में मुद्रास्फीति में कमी हुई। इसको किस उपनाम से भी जाना जाता है? - पुनरुत्थान योजना
- गांवों में कृषि, पशुपालन, ग्रामोद्योग स्वास्थ्य और उपचार एवं बाल कल्याण आदि क्षेत्रों में करके लोगों के जीवन स्तर में विकास एवं सुधार करने के उद्देश्य के साथ 2 अक्टूबर, 1952 को किस कार्यक्रम की शुरुआत की गई? - सामुदायिक विकास कार्यक्रम (Community Development Programme)
- हथकरपा उद्योग के विकास के लिए अखिल भारतीय हथकरपा बोर्ड की स्थापना कब की गई? - वर्ष 1952 में
- प्रथम पंचवर्षीय योजना काल में अखिल भारतीय खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड की स्थापना किस वर्ष की गई? - वर्ष 1956 में
- जनवरी 1955 में भारतीय औद्योगिक साख एवं विनियोग निगम लिमिटेड (ICICI) की स्थापना की गई। इसने कब से कार्य करना शुरू कर दिया? - मार्च 1955
- वर्ष 1954 में लघु उद्योग बोर्ड की स्थापना की गई। राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम की स्थापना कब की गई? - फरवरी 1955 में
- द्वितीय पंचवर्षीय योजना का मुख्य उद्देश्य समाजवादी समाज की स्थापना करना था। इस योजना में किसको उच्च प्राथमिकता दी गई? - भारी उद्योगों और खनिजों को

संरचनात्मक परिवर्तन के प्रयास किए जाते हैं। इसके तहत उद्देश्य पहले से ही निर्धारित एवं निश्चित कर दिए जाते हैं। इस नियोजन की अवधि 15 से 25 वर्ष की होती है। इसके तहत अधिक लम्बी अवधि के लिए शुरू किए जाने वाले विकास का खाका निर्धारित किया जाता है तथा इसको अनेक अल्पकालीन योजनाओं में विभक्त कर दिया जाता है तथा एक निश्चित समयवर्ष के अंतर्गत बृहत्तर उद्देश्यों एवं लक्ष्यों को पूरा करता रहता है। ध्यातव्य है कि दीर्घकालीन नियोजन का शुभारम्भ सर्वप्रथम रूस में हुआ था।

व्यापक आयोजन

व्यापक आयोजन (Comprehensive Planning) योजनावद्ध अर्थव्यवस्था का वह रूप है, जिसमें समस्त अर्थव्यवस्था को प्रत्यक्ष एवं पूर्ण तौर से सरकार या केंद्रीय आयोजन अधिकारी द्वारा नियंत्रित एवं विनियमित किया जाता है। इसमें जीवन और आर्थिक क्रियाओं के विभिन्न क्षेत्रों का समावेश किया जाता है। इस प्रकार का नियोजन समाजवादी अर्थव्यवस्था में दिखायी पड़ता है।

नीति आयोग का संघटन

अध्यक्ष: नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
उपाध्यक्ष: डॉ. राजीव कुमार, अर्थशास्त्री
पूर्णकालिक सदस्य: डॉ. बी. के. सारस्वत (पूर्व सचिव, रक्षा आरएंडडी), डॉ. वी.के. पॉल, प्रो. रमेश चंद
पदेन सदस्य: राजनाथ सिंह (रक्षा मंत्री), अमित शाह (केंद्रीय गृह मंत्री), निर्मला सीतारमन (केंद्रीय वित्त मंत्री व कॉरपोरेट मामलों की मंत्री), नरेन्द्र सिंह तामर, (केंद्रीय कृषि व किसान कल्याण मंत्री)
विशेष आमंत्रित: नितिन गडकरी (केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री), धावर चंद गहलोत (केंद्रीय सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्री), पीयूष गोयल (रेल, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री), राव इंद्रजीत सिंह (राज्य मंत्री- स्वतंत्र प्रभार, योजना मंत्रालय)
मुख्य कार्यपालक अधिकारी: अमिताभ कांत

- द्वितीय पंचवर्षीय योजना अर्थशास्त्री पी.सी. महालनोबिस के मॉडल पर आधारित थी। इस योजना को किस उपनाम से भी जाना जाता है?
- नेहरू महालनोबिस योजना (या भौतिकवादी योजना)
- ग्रामीण क्षेत्रों में खादी तथा ग्रामीण उद्योगों के माध्यम से स्वरोजगार उपलब्ध करने के उद्देश्य से द्वितीय पंचवर्षीय योजना काल में राज्य स्तर पर खादी एवं ग्रामोद्योग कार्यक्रम की शुरुआत किस वर्ष की गई?
- 1957-58 में
- द्वितीय पंचवर्षीय योजना काल में ही भिलाई (छत्तीसगढ़) और दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल) में क्रमशः सोवियत संघ और ब्रिटेन के सहयोग से इस्पात के कारखाने स्थापित किए गए। राउरकेला (ओडिशा) स्थित इस्पात कारखाना किस देश के सहयोग से किया गया?
- जर्मनी
- तृतीय पंचवर्षीय योजना (1 अप्रैल, 1961 से 31 मार्च, 1966) को सुखमय चक्रवर्ती तथा प्रो. सैडी मॉडल के आधार पर तैयार किया गया। इस योजना को किस उपनाम से जाना जाता है?
- गाइगिल योजना
- किस पंचवर्षीय योजना में आर्थिक विकास दर सबसे कम रही और यहां तक कि प्रति व्यक्ति आय की वृद्धि दर भी ऋणात्मक हो गई थी? - तीसरी पंचवर्षीय योजना
- जर्मन कृषि वैज्ञानिक नॉर्मन बोरलॉग द्वारा सृजित किस क्रांति का मसीहा तृतीय पंचवर्षीय योजनाकाल में तैयार किया गया, लेकिन उसे लागू योजनावकाश (प्लान होलीडे) में किया गया?
- हरित क्रांति

विकेंद्रीकृत नियोजन

विकेंद्रीकृत नियोजन (Decentralised Planning) में आर्थिक नीतियों तथा कार्यक्रमों का निर्धारण केंद्रीय स्तर पर न करके राज्य, जिला और गांव के स्तर पर किया जाता है। केंद्रीकृत नियोजन के अंतर्गत देश की केंद्रीय नियोजन शाखा द्वारा योजना के समस्त लक्ष्यों एवं उद्देश्यों को निर्धारित किया जाता है, जबकि विकेंद्रीकृत नियोजन में निर्णय लेने की प्रक्रिया कई स्तरों पर सम्पादित होती है।

भौतिक नियोजन

नियोजन प्रक्रिया का ऐसा स्वरूप जिसके तहत योजना के लक्ष्यों का निर्धारण भौतिक वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन के रूप में किया जाता है, भौतिक नियोजन (Physical Planning) कहलाता है। यह नियोजन

विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं संबंधित प्रमुख तथ्य

योजना	अवधि	मॉडल	लक्षित वृद्धि दर	वास्तविक वृद्धि दर	प्रमुख विशेषता
पहली	1951-1956	हैरोड डोमर मॉडल	2.1	3.5	कृषि को प्राथमिकता तथा कौमत् स्थापित, विद्युत एवं यातायात पर बल।
दूसरी	1956-1961	महालनोबिस मॉडल	4.5	4.2	तीव्र औद्योगीकरण- भारी एवं आधारभूत उद्योगों को प्राथमिकता।
तीसरी	1961-1966	प्रो. सैडी व सुखमय चक्रवर्ती	5.6	2.8	स्वावलम्बी एवं स्वस्फूर्त अर्थव्यवस्था का निर्माण करना।
वार्षिक योजनाएं	1966-1969	--	--	3.9	--
चौथी	1969-1974	ए. एस. मान व अशोक रुद्र	5.7	3.2	स्थिरता के साथ विकास व आत्मनिर्भरता की प्राप्ति।
पांचवीं	1974-1978	डी. डी. धर	4.4	4.7	गरीबी हटाओ तथा आत्मनिर्भरता की प्राप्ति।
वार्षिक योजनाएं	1979-1980	--	--	-5.2	--
छठवीं	1980-1984	संरचनात्मक परिवर्तन उन्मुख मॉडल	5.2	5.5	निर्धनता उन्मूलन, बेरोजगारी उन्मूलन तथा आत्मनिर्भरता की प्राप्ति।
सातवीं	1985-1989	--	5.0	5.6	तीव्र विकास, आधुनिकीकरण, आत्मनिर्भरता तथा सामाजिक लक्ष्य की प्राप्ति।
वार्षिक योजना	1990-1991	--	--	3.4	--
आठवीं	1992-1997	जॉन डब्ल्यू. मिलर मॉडल	5.6	6.5	समग्र आर्थिक विकास।
नौवीं	1997-2002	योजना आयोग का प्रारूप पत्र	6.5	5.5	सामाजिक न्याय तथा समानता के साथ विकास।
दसवीं	2002-2007	--	7.9	7.7	तीव्र एवं संतुलित विकास।
ग्यारहवीं	2007-2012	रंगराजन मॉडल	9.0	7.9	समावेशी विकास।
बारहवीं	2012-2017	--	9.0	--	अवसररेचना, स्वास्थ्य व शिक्षा को प्राथमिकता।

आर्थिक नियोजन

- अभूतपूर्व सूखे, मुद्रा अवमूल्यन और संसाधनों की कमी की वजह से चौथी पंचवर्षीय योजना समय से लागू नहीं हो सकी। उसके बदले तीन वार्षिक योजनाएं (1966-67, 1967-68, 1968-69) तैयार की गईं। इस योजनावधि को योजनावकाश (Plan Holiday) कहा जाता है। प्लान होलीडे किन दो पंचवर्षीय योजनाओं के बीच लागू किया गया?
 - तीसरी और चौथी
- चौथी पंचवर्षीय योजना (1969-1974) के लिए कॉसिस्टेंसी मॉडल का निर्माण किसने किया था?
 - ए. एस. मान व अशोक रुद्र ने
- जुलाई 1969 में 14 वाणिज्यिक बैंकों का राष्ट्रीयकरण किस पंचवर्षीय योजना के काल में किया गया?
 - चौथी पंचवर्षीय योजना
- पहली बार किस पंचवर्षीय योजना में निर्धनता उन्मूलन को प्राथमिकता दी गई अथवा उसे उद्देश्य के रूप में स्वीकार किया गया?
 - पांचवीं योजना (1974-79)
- पांचवीं पंचवर्षीय योजना को एक वर्ष पहले ही समाप्त घोषित कर दिया गया। इस योजना को किसने तैयार किया था?
 - डी. डी. धर ने
- राष्ट्रीय न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम की शुरुआत किस योजनाकाल के तहत की गई?
 - पांचवीं पंचवर्षीय योजना
- किस पंचवर्षीय योजना के दौरान सामाजिक कल्याण को नया आयाम देने के लिए 'काम के बदले अनाज' योजना तथा अन्नोदय योजना (1977-78) शुरू की गई?
 - पांचवीं पंचवर्षीय योजना
- सबसे पहले किस अर्थशास्त्री को विकासशील देशों के लिए अनवरत योजना (रोलिंग प्लान) को वैज्ञानिक रूप से प्रस्तुत करने का श्रेय जाता है?
 - गुनार मिडॉल ने
- भारत में अनवरत योजना को लागू कराने का श्रेय योजना आयोग के तत्कालीन उपाध्यक्ष प्रो. डी.टी. लकड़वाला को जाता है। इस योजना की अवधि क्या थी?
 - वर्ष 1978-83
- 1977 में पहली बार केंद्र में सत्तासीन हुई जनता पार्टी की सरकार ने पांचवीं पंचवर्षीय योजना को निर्धारित समय से 1 वर्ष पूर्व ही समाप्त करके 1978 में पांच वर्ष की अवधि के लिए अनवरत योजना लागू की थी। किन्तु 1980 में इंदिरा गांधी के पुनः सत्ता में वापस आने पर अनवरत योजना को कब समाप्त कर दिया गया?
 - 31 मार्च, 1980 को
- किस पंचवर्षीय योजना को दो सरकारों के अस्तित्व में आने के कारण दो बार तैयार किया गया?
 - छठी पंचवर्षीय योजना
- कांग्रेस सरकार ने रोलिंग प्लान को समाप्त करके एक नई छठी पंचवर्षीय योजना बनायी। इस योजना की अवधि क्या थी?
 - 1 अप्रैल, 1980 से 31 मार्च, 1985 तक
- किस पंचवर्षीय योजना के दौरान राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम (NREP: 1980-81), समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम (IRDP: 1980-81), ग्रामीण महिला तथा बालोत्थान योजना (DWCRA: 1982-83) और ग्रामीण भूमिहीन रोजगार गारंटी कार्यक्रम (RLEGP: 1983-84) की शुरुआत की गई?
 - छठी पंचवर्षीय योजना
- छठी पंचवर्षीय योजना को सफलतम पंचवर्षीय योजना इसलिए माना जाता है, क्योंकि सभी क्षेत्रों में संतुलित वृद्धि दर प्राप्त हुई थी तथा लक्षित विकास दर को प्राप्त कर लिया गया। इस योजना लक्षित विकास दर 5.2 प्रतिशत थी। वास्तविक रूप में हासिल की गई विकास दर कितनी रही?
 - मात्र 5.4 प्रतिशत
- सातवीं पंचवर्षीय योजना में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रायोगिक तौर पर सांकेतिक नियोजन प्रणाली अपनायी गई। 1 अप्रैल, 1981 से 31 मार्च, 1985 तक की छह पंचवर्षीय योजनाओं के दौरान भारत की नियोजन प्रणाली पूरी तरह किस प्रकार की थी?
 - आदेशात्मक

संसाधनों के विभाजन और वस्तु उत्पत्ति के रूप में विकास प्रयत्नों की उलझनों को निरूपित करने का प्रयास है, जिससे आय एवं रोजगार को अधिकतम किया जा सके।

वित्तीय नियोजन

'वित्तीय नियोजन' (Financial Planning) नियोजन का वह स्वरूप है, जिसमें संसाधनों का विभाजन मुद्रा के रूप में किया जाता है। इस नियोजन का सारतत्त्व यह है कि मांग और पूर्ति में इस प्रकार सामंजस्य स्थापित किया जाये कि कीमत ढांचे में प्रमुख तथा योजनाबद्ध परिवर्तन किए बिना भौतिक सम्भाव्यताओं का यथासम्भव पूर्ण रूप से विदोहन किया जा सके। इसके अंतर्गत योजनागत परिव्यय मुद्रा के रूप में निर्धारित किए जाते हैं तथा करारोपण, बचत और नकदी धारण के द्वारा इस परिव्यय को पूरा करने का प्रयास किया जाता है।

आदेशात्मक नियोजन

आदेशात्मक नियोजन (Imperative Planning) में समस्त आर्थिक क्रियाएं और साधन राज्य के आदेशानुसार कार्य करते हैं। उत्पादन के समग्र संसाधनों पर राज्य का पूर्ण नियंत्रण होता है। इसके फलस्वरूप उत्पादन एवं वितरण पर भी सरकारी नियंत्रण होता है। देश के समस्त उपलब्ध साधनों को पूंजीगत विनियोजन में लगाया जाता है तथा योजना के लक्ष्यों की पूर्ति अनिवार्य होती है।

सांकेतिक नियोजन

सांकेतिक नियोजन (Indicative Planning) का अवधारणा आदेशात्मक नियोजन के विपरीत है। इसके तहत संवृद्धि का प्रेरणास्त्रोत और आधार निजी क्षेत्र होता है। इसमें सरकार निजी क्षेत्र का कोई स्पष्ट आदेश न देकर केवल उसकी कार्य दिशा और कार्य पद्धति के प्रति संकेत करती है। कई प्रमुख क्षेत्रों, जैसे- विज्ञान व प्रौद्योगिकी अनुसंधान, सुरक्षा, शक्ति व्यवस्था, दीर्घकालीन कार्ययोजना आदि

- सातवीं पंचवर्षीय योजना (1985-90) का मुख्य नारा था - **भोजन, काम व उत्पादकता**
इस योजना के दौरान प्राथमिकता किस क्षेत्र को दी गई? - **ऊर्जा क्षेत्र**
- सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान मुक्त करायें गए बंधुआ मजदूरों तथा अनुसूचित जाति के निर्धनों को निःशुल्क आवास उपलब्ध कराने के लिए किस योजना की शुरुआत की गई? - **इंदिरा आवास योजना (1985-86)**
- किस पंचवर्षीय योजना में पहली बार पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण संरक्षण पर विशेष बल दिया गया? - **सातवीं पंचवर्षीय योजना**
- सातवीं पंचवर्षीय योजना के बाद 1990 में केंद्र में सत्ता परिवर्तन के कारण आठवीं योजना सही समय पर लागू नहीं हो सकी। परिणामस्वरूप दो वार्षिक योजनाएं तैयार की गईं। इन योजनाओं की अवधि क्या थी? - **वर्ष 1990-91 व 1991-92**
- आठवीं पंचवर्षीय योजना (1 अप्रैल, 1992 से 31 मार्च, 1997) आर्थिक उदारीकरण कार्यक्रम लागू किए जाने के बाद शुरू की जाने वाली पहली पंचवर्षीय योजना है। यह योजना किस मॉडल पर आधारित थी? - **जॉन डक्यू, मिलर मॉडल**
- आठवीं पंचवर्षीय योजना को 'राव-मनमोहन योजना' नामक उपनाम से जाना जाता है। सरकार ने इस योजना को क्या माना है? - **पहली पूर्ण संकेतिक योजना**
- राजनैतिक अस्थिरता और प्रतिकूल आर्थिक स्थितियों की वजह से कौन-सी पंचवर्षीय योजना दो वर्ष के विलम्ब से शुरू हुई? - **आठवीं योजना (1992-97)**
- नौवीं पंचवर्षीय योजना (1997-2002) में प्रारम्भ में विकास दर का लक्ष्य 7.0% रखा गया। बाद में कितने प्रतिशत विकास का लक्ष्य निर्धारित किया गया? - **मात्र 6.5%**
- भारत का आर्थिक नियोजन मुख्यतः किस प्रकार की योजना है?
- **दृष्टात्मक आयोजन (Indicative planning)**
- दसवीं पंचवर्षीय योजना (1 अप्रैल, 2002 से 31 मार्च, 2007) में किस क्षेत्र को प्राथमिकता दी गई? - **ऊर्जा एवं सामाजिक क्षेत्र**
- आठवीं पंचवर्षीय योजना में औसत वार्षिक वृद्धि दर 6.54 प्रतिशत रही थी। दसवीं पंचवर्षीय योजना में औसत वार्षिक वृद्धि दर कितनी रही? - **मात्र 7.74 प्रतिशत**
- 11वीं पंचवर्षीय योजना की अवधि 1 अप्रैल, 2007 से 31 मार्च, 2012 तक थी। इस योजना में कुल परिव्यय कितना था? - **36,44,718 करोड़ रुपये**
- 11वीं पंचवर्षीय योजना में 9 प्रतिशत की वार्षिक आर्थिक विकास दर का लक्ष्य रखा गया, परंतु योजना के अंतिम वर्ष 2011-12 में इसको संशोधित करके 10 प्रतिशत कर दिया गया। पुनः वार्षिक वृद्धि दर के लक्ष्य को संशोधित कर 8.1 प्रतिशत कर दिया गया। इस योजना में वास्तविक वृद्धि दर कितनी रही? - **मात्र 7.9 प्रतिशत**
- 11वीं पंचवर्षीय योजना में अब तक की सभी पंचवर्षीय योजनाओं की तुलना में सर्वाधिक वृद्धि दर रही है। इस योजना का नारा क्या था?
- **भारतीय अर्थव्यवस्था की तस्वीर बदलो**
- नौवीं और दसवीं पंचवर्षीय योजना में कृषि विकास दर क्रमशः 2.5 और 2.4 प्रतिशत रही। 11वीं पंचवर्षीय योजना में कृषि वृद्धि दर कितनी थी? - **मात्र 3.7%**
- बारहवीं पंचवर्षीय योजना (2012-17) के दौरान 8.2 से 9.0% वार्षिक वृद्धि दर का लक्ष्य रखा गया है। इस योजना का विशेष बल किस पर है? - **समावेशी विकास**
- दृष्टिपत्र में बारहवीं योजना में कृषि क्षेत्र में कितनी औसत वार्षिक विकास दर का लक्ष्य रखा गया है? - **मात्र 4 प्रतिशत**
- बारहवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान प्राथमिकता के क्षेत्र कौन-कौन से रहेंगे?
- **अवसंरचना, स्वास्थ्य व शिक्षा**
- बारहवीं योजना में 37% औसत वृद्धि दर से सकल पूंजी निर्माण होने का अनुमान था। इस दौरान सकल घरेलू बचत दर कितनी रहने का अनुमान था? - **मात्र 34.2%**

सरकार के अधीन होता है। सरकार संवृद्धि को त्वरित करने के लिए निजी क्षेत्र को विभिन्न प्रकार के प्रोत्साहन और सुविधाएं प्रदान करती है तथा आधारभूत सुविधाओं का सृजन करती है। इस प्रकार के नियोजन को प्रोत्साहनात्मक नियोजन (Inducement Planning) भी कहा जाता है।

चक्राय नियोजन

चक्राय नियोजन (Cyclical Planning) कई आवर्ती योजनाओं की श्रेणियों पर आधारित होती है। इसके तहत तीन योजनाएं तैयार की जाती हैं— एक योजना चालू वर्ष के लिए (अल्पकालीन), जो वार्षिक बजट और विदेशी मुद्रा भंडार की स्थिति को ध्यान में रखकर बनायी जाती है। दूसरी मध्यकालीन योजना जो तीन या पांच वर्ष की होती है तथा तीसरी दीर्घकालीन योजना जो 10 या 15 वर्षों की होती है, जिस पर अल्पकालीन और मध्यकालीन योजनाएं आधारित होती हैं। चक्राय योजना की अवधारणा का प्रतिपादन गुनार मिर्डल ने किया और भारत में इसका प्रयोग डीटी लकड़ावाला ने किया।

संरचनात्मक एवं क्रियात्मक नियोजन

संरचनात्मक नियोजन (Structural Planning) के अंतर्गत अर्थव्यवस्था की विद्यमान दशाओं एवं प्रचलित संरचना में मूलभूत रूप से परिवर्तन करते हुए विकास को त्वरित करने के लिए नवीन योजनाओं का सृजन किया जाता है। संरचनात्मक नियोजन की प्रक्रिया में सुधार के माध्यम से नवनिर्माण की शुरुआत होती है। दूसरी ओर, क्रियात्मक नियोजन (Functional Planning) को प्रचलित सामाजिक-आर्थिक व्यवस्था के अंतर्गत ही सम्पन्न किया जाता है। इसके तहत अर्थव्यवस्था की संरचना में कोई परिवर्तन नहीं होता है। क्रियात्मक नियोजन का संबंध पूंजीवादी या विकसित अर्थव्यवस्था से होता है।